"जनसत्ता" में "सहकारी समितियों से जुर्माना वसूल नहीं कर पाया डेसू" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो सहकारी आवास समितियों पर दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्था की कुल कितनी राशि जुर्माने के मद में बकाया है और इस धनराशि को वसूल करने के लिए सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है; और

(ग) इन सभी आवास समितियों द्वारा की जाने वाली बिजली की चोरी को रोकने अथवा नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है?

**विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय):** (क) से (ग) अगस्त/सितम्बर, 1991 में दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान द्वारा मारे गए छापे के दौरान मयूर विहार और पटपड़गंज में स्थित को-ऑपरेटिव ग्रुप हाऊसिंग सोसाइटी द्वारा की जा रही बिजली की चोरी के 16 मामलों का पता लगाया गया था। 13 मामलों में बिजली की खपत/दुरूपयोग के लिए प्रभारों से संबंधित लगभग कुल मिलाकर 45 लाख रुपये की राशि के आवश्यक मूल्यांकन बिल पहले ही जारी किए जा चुके हैं। शेष 3 संबंधित सोसाईटियों के बारे में उसी प्रकार की कार्यवाही किए जाने और अपेक्षित राशि वसूल किए जाने का कार्य प्रगति पर है। विद्युत की चोरी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के लिए डेसू ने अपने अभियान को तेज कर दिया है और इस समस्या की रोकथाम के लिए आवधिक रूप से छापे भी मारे जाते हैं। भारतीय बिजली अधिनियम, 1910 के अधीन विद्युत की चोरी एक संज्ञेय अपराध है।

**Cooperation with Israel in Field of Solar Energy**

3002. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration for cooperation with Isreal in the field of Solar Energy; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) and (b) There is no proposal in the field of Solar Energy under consideration for cooperation with Israel.

**Generation of Power from TIDAL waves in Andhra Pradesh**

3003. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state the steps being taken to generate power from tidal waves in East Coast of Andhra Pradesh?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): The tidal ranges observed along the East Coast of Andhra Pradesh are generally of the order of 1.5 M and below. Development of tidal power from such a low tidal range is at present not considered techno-economically feasible.

As such, no site has been identified so far for putting up a tidal power project on the East Coast of Andhra Pradesh.

**विद्युत उत्पादन लक्ष्य**

3004. **श्री सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
**श्री रणजीत सिंह:**

क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1991-92 के लिए देश में विद्युत का उत्पादन लक्ष्य 3810.8 मेगावाट निर्धारित किया गया था;

(ख) यदि हां, तो तापीय विद्युत क्षेत्र और पन बिजली विद्युत क्षेत्र में विद्युत उत्पादन का अलग-अलग कितना लक्ष्य निर्धारित किया गया था;

(ग) क्या यह सच है कि विद्युत उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो इन दोनों क्षेत्रों में कितना-कितना कम उत्पादन हुआ है तथा उसके क्या कारण हैं?

**विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय):** (क) से (ग) वर्ष 1991-92 के दौरान क्षमता संवर्धन के संबंध में अपेक्षित ब्यौरा निम्नानुसार है:—